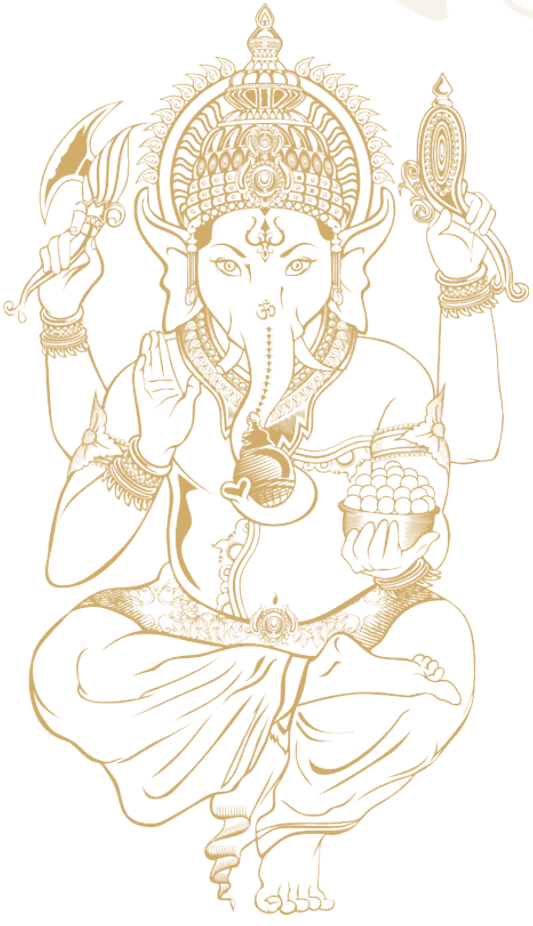

Mr.rks_1

13 Oct 1959

05:00 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 121043702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12-13/10/1959**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	56:03:00 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:23:28 घंटे
वेलान्तर	00:13:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:46:37 घंटे
सूर्योदय	06:34:48 घंटे
सूर्यास्त	18:11:22 घंटे
दिनमान	11:36:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:35:27 कन्या
लग्न के अंश	03:44:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:44:31	319:38:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कन्या	25:35:27	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	12:53:13	12:57:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	तुला	01:02:20	00:40:11	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			तुला	12:26:41	01:28:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	08:04:47	00:11:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	13:29:55	00:37:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			धनु	08:18:47	00:03:33	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु			कन्या	10:43:01	00:01:12	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	10:43:01	00:01:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			कर्क	26:51:47	00:02:20	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
नेप			तुला	12:44:19	00:02:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	12:04:29	00:01:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	03:38:05	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:43

लग्न-चलित

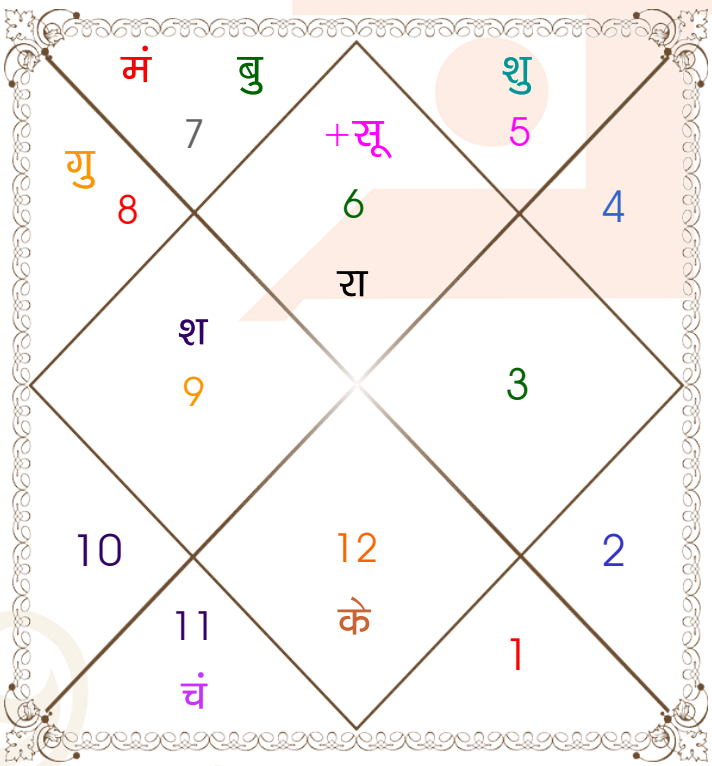

चन्द्र कुंडली

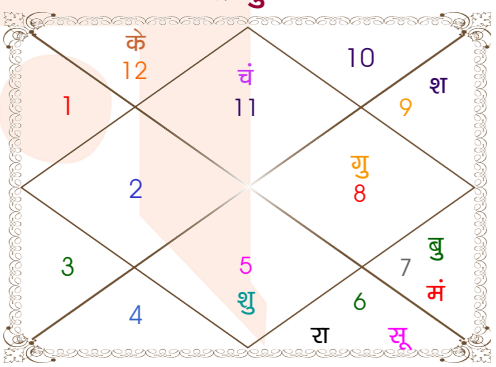

नवमांश कुंडली

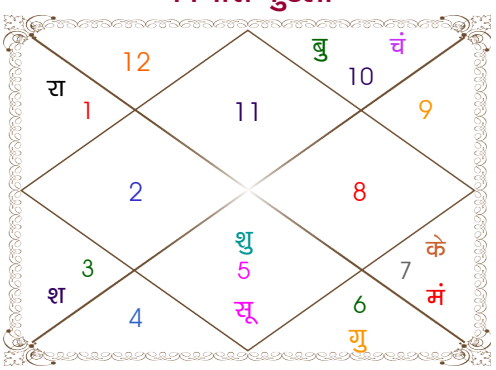

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 7 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/10/1959		20/05/1969		20/05/1985		20/05/2004		20/05/2021	
20/05/1969		20/05/1985		20/05/2004		20/05/2021		20/05/2028	
	00/00/0000	गुरु	08/07/1971	शनि	23/05/1988	बुध	16/10/2006	केतु	16/10/2021
	00/00/0000	शनि	19/01/1974	बुध	31/01/1991	केतु	14/10/2007	शुक्र	16/12/2022
	13/10/1959	बुध	25/04/1976	केतु	11/03/1992	शुक्र	14/08/2010	सूर्य	23/04/2023
बुध	19/11/1961	केतु	01/04/1977	शुक्र	11/05/1995	सूर्य	20/06/2011	चंद्र	22/11/2023
केतु	07/12/1962	शुक्र	01/12/1979	सूर्य	22/04/1996	चंद्र	18/11/2012	मंगल	19/04/2024
शुक्र	07/12/1965	सूर्य	19/09/1980	चंद्र	22/11/1997	मंगल	16/11/2013	राहु	08/05/2025
सूर्य	01/11/1966	चंद्र	19/01/1982	मंगल	01/01/1999	राहु	04/06/2016	गुरु	14/04/2026
चंद्र	02/05/1968	मंगल	25/12/1982	राहु	06/11/2001	गुरु	10/09/2018	शनि	24/05/2027
मंगल	20/05/1969	राहु	20/05/1985	गुरु	20/05/2004	शनि	20/05/2021	बुध	20/05/2028

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/05/2028		20/05/2048		20/05/2054		20/05/2064		21/05/2071	
20/05/2048		20/05/2054		20/05/2064		21/05/2071		00/00/0000	
शुक्र	19/09/2031	सूर्य	06/09/2048	चंद्र	21/03/2055	मंगल	16/10/2064	राहु	31/01/2074
सूर्य	19/09/2032	चंद्र	08/03/2049	मंगल	20/10/2055	राहु	03/11/2065	गुरु	25/06/2076
चंद्र	20/05/2034	मंगल	14/07/2049	राहु	20/04/2057	गुरु	10/10/2066	शनि	02/05/2079
मंगल	20/07/2035	राहु	08/06/2050	गुरु	20/08/2058	शनि	19/11/2067	बुध	13/10/2079
राहु	20/07/2038	गुरु	27/03/2051	शनि	20/03/2060	बुध	15/11/2068		00/00/0000
गुरु	20/03/2041	शनि	08/03/2052	बुध	19/08/2061	केतु	14/04/2069		00/00/0000
शनि	20/05/2044	बुध	12/01/2053	केतु	20/03/2062	शुक्र	14/06/2070		00/00/0000
बुध	21/03/2047	केतु	20/05/2053	शुक्र	19/11/2063	सूर्य	19/10/2070		00/00/0000
केतु	20/05/2048	शुक्र	20/05/2054	सूर्य	20/05/2064	चंद्र	21/05/2071		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।